Seminar Activity Report

1.	Title of Seminar	Solid Waste Management in Muzaffarnagar City: A Review
2.	Date	01.02.2017
3.	Venue	Seminar Hall, Shri Ram College, Muzaffarnagar
4.	Time	11.00 am - 03.00 pm
5.	Faculty Coordinator	Dr. Ashwani Kumar, HoD, Department of Bioscience Ms. Ruchi Srivastava, Asstt. Prof., Department of Bioscience Ms. Prachi Srivastava, Asstt. Prof, Department of Bioscience
6.	Name of President	Dr. Randolph Kirchen, Scientist, Material Systems Laboratory, Tata Center for Technology and Design
7.	Name of Chief Guest	Professor (Dr.) Jeremy Gregory, Scientist, Massachusetts Institute of Technology, USA
8.	Eminent Guest	Mr. Pankaj Agarwal, Chairman, Municipal Board, Muzaffarnagar
9.	Name of Speakers	Dr. Randolph Kirchen, Scientist Professor (Dr.) Jeremy Gregory, Scientist Ms. Divya Ravi Kumar, Research Scholar, MIT, USA Dr. S.C. Kulshrestha, Founder & Chairman, SRGC
10.	Objective of the session	To review the Project work on waste management system in Muzaffarnagar City
11.	Schedule	Welcome of Guests Significance of the Seminar Importance of Waste Management Speech of Various Speakers Speech of Guests Vote of Thanks
12.	Summary of learnings from the session	During the session it was discussed that the waste management system is a joint operation by MIT, USA and Shri Ram College. It is divided into five steps. The city of Muzaffarnagar was divided into three parts on the basis of income. The purpose of the waste management system is to work in the interest of the environment. Waste should be disposed of in such a way that it can play an important role in strengthening the economy of the country.

(Ruchi Srivastava)
Assistant Professor, Bioscience

(Dr. Ashwani Kumar)
Head, Department of Bioscience

Co-ordinator
IQAC, Shri Ram College,
Muzaffarnagar

Principal
Shri Ram College
Muzaffarnagar

Report

A one-day International Seminar was organized in the auditorium of Shri Ram College on 01-02-2017 in joint coordination with Massachusetts Institute of Technology, USA and Shri Ram Group of Colleges, Muzaffarnagar.

The chief guest of the program was Dr. Jeremy Gregory, Scientific Professor of Civil and Environmental Technology at the Massachusetts Institute of Technology (MIT, USA)and Dr. Randolph Kirchnen, Chairman of the Materials Systems Laboratory, Tata Center for Technology and Design was the president of the seminar.

On this occasion, Chairman of Shri Ram Group of Colleges, Dr. S.C. Kulshrestha said that Shri Ram College has been making continuous efforts to conserve the environment. In this link, Shri Ram College and the leading institute in the field of research MIT, USA together have taken the initiative to make the environment clean. It will be our endeavor in the future to spread awareness about waste management among people by spreading this initiative related to the interest of the environment outside Muzaffarnagar.

The waste management system is a joint operation by MIT, USA and Shri Ram College. It is divided into five steps, The first phase is the Research project, the

Co-ordinator
IQAC, Shri Ram College,
Muzaffarnagar

Principal
Shri Ram College
Muzaffarnagar

second phase is data collection & analysis, the third phase is the modeling waste disposal system, the fourth phase is awareness while the fifth phase is the waste processing marketing project. Under this campaign, the city of Muzaffarnagar was divided into three parts on the basis of income. This includes low income group, middle income group and high income group. Under this, Two Bean One Bag Awareness Campaign was launched for garbage division by selecting Gandhi Colony and Teachers Colony of the city.

Program President Dr. Randolph Kirchen stated that the purpose of the waste management system is to work in the interest of the environment. Waste should be disposed of in such a way that it can play an important role in strengthening the economy of the country. He also praised the dedication, hard work, courage and hard work of the Massachusetts Institute of Technology (USA) and Shri Ram College.

Co-ordinator
IQAC, Shri Ram College,
Muzaffarnagar

Principal
Shri Ram College
...nagar

Giving information, Professor Dr. Jeremy Gregory, Scientific and Environmental Technology Scientist, MIT, USA, said that the results of the last three-phase survey have revealed that 60 to 65 percent organic waste is present in the city. Whereas in the USA the same amount of organic waste is 30 to 40 percent. He further said that with the use of this waste, we can convert to biogas, compost manure and small elements and make fuel etc.

On this occasion, MIT, USA researcher Divya Ravi Kumar, while giving information about the results of the three phases, said that if the results of the garbage division in the initial phase were seen regionally, then there was a big difference between the Gandhi Colony and the Teachers Colony. Four weeks of waste management resulted in very encouraging results for Teachers Colony which stood at 86 per cent, while it was 44 per cent at Gandhi Colony. She further said that if the continuous division of waste continues properly, a highly successful Waste Management System could develop in Muzaffarnagar city.

Co-ordinator
IQAC, Shri Ram College,
Muzaffarnagar

Principal
Shri Ram College
Muzaffarnagar

Municipal Chairman, Mr. Pankaj Aggarwal said that every citizen should make efforts to make the society free of garbage and to keep cleanliness around them. He also said that instead of putting garbage in the drains, they should always be put in the trash box so that it can be disposed of. This step can prove to be very helpful in keeping the society clean and beautiful.

Certificates were also distributed to students participating in the waste management system with the MIT, USA team. The program was conducted by Ruchi Srivastava, Asstt. Professor, Department of Bioscience.

(Ruchi Srivastava)
Assistant Professor, Bioscience

(Dr. Ashwani Kumar)
Head, Department of Bioscience

Co-ordinator
IQAC Shri Ram College,
Muzaffarnagar

Principal
Shri Ram College
Muzaffarnagar

कचरा प्रबन्धन पर आयोजित की गई ग

● जनवाणी संवाददाता, मुजफ्फरनगर

श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज एवं मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी (एमआईटी) यूएसए के संयुक्त निर्देशन में चल रहे वेस्ट मैनेजमेंट प्रोग्राम के अन्तर्गत 'कचरा प्रबन्धन जो कि वर्तमान में भारत की एक महती आवश्यकता है' विषय पर एक अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में किया गया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि एमआईटी, यूएसए के प्रिंसिपल रिसर्च साइंटिस्ट डॉ. जैरमी ग्रेगरी रहे व अध्यक्षता चेयरमैन नगरपालिका परिषद, मुजफ्फरनगर पंकज अग्रवाल ने की।

चेयरमैन श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज डा. ए. . कुलश्रेष्ठ, विशिष्ठ अतिथि समर्थ प्रकाश, अध्यक्ष प्रयत्न एनजीओ, समाजसेविका सोनिया लूथरा, बीना शर्मा, असद फारूकी, होतीलाल शर्मा व शहर के अन्य समाजसेवियों ने इस गोष्ठी में प्रतिभाग किया। गोष्ठी का उद्देश्य कूड़ा प्रबन्धन के क्षेत्र में चल रहे इस दो वर्षीय कार्यक्रम को विभिन्न सामाजिक संस्थाओं

प्रमाण-पत्र के साथ कालेज की छात्र-छात्राएं। ■ फोटो : जनवाणी

के माध्यम से एक नई दिशा प्रदान करना है, जिसके द्वारा हम सम्पूर्ण शहर में जागरूकता की एक अलख जगाकर समाज के प्रत्येक व्यक्ति को कूडा प्रबन्धन विषय के संबन्ध में जागरूक कर इस क्षेत्र में मुजफ्फरनगर शहर को देश में एक नई पहचान दिलाना है।

गोष्ठी में इस कार्यक्रम की विभिन्न टीमों द्वारा किये गये अब तक के कार्य को प्रस्तुत किया गया व बताया गया कि हमने शहर को 6 भागों में बांटकर कूड़ा प्रबंधन विषय पर सर्वेक्षण किया, जिसमें हमने प्रत्येक घर से उत्सर्जित होने वाले कूड़े के विभिन्न प्रकारों का प्रतिशत अनुपात निकाला है जिसके द्वारा हम यह जानकारी कर पाये हैं कि

श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेज में कचरा प्रबन्धन अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी का किया गया आयोजन

मुजफ्फरनगर शहर में प्रतिदिन लगभग कितना कूड़ा उत्सर्जित होता है। यह सब जानकारी एकत्रित करने के लिए महाविद्यालय की 6 टीमों ने शहर के 6 अलग-अलग स्थानों, उत्तरी गांधी कॉलोनी, शिक्षक कॉलोनी, वकील रोड, गऊशाला रोड, किदवईनगर, कांशीराम आवासीय कॉलोनी में लगातार 6 सप्ताह तक प्रत्येक सप्ताह में एक दिन घर-घर जाकर उनके द्वारा उत्सर्जित किये गये कूड़े को एकत्रित करके उसे महाविद्यालय के पृथक्कीकरण केन्द्र में लाकर कूड़े को पृथक (अलग-अलग) करते थे जिससे यह पता लगाया गया कि किस मोहल्ले में किस प्रकार का कूडा ज्यादा उत्सर्जित होता है।

अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी में मुख्य अतिथि प्रो (डा.) जैरमी ग्रेगरी, प्रिन्सिपल रिसर्च साइन्टिस्ट एम विचार रखते श्रीराम ग्रुप अ निर्देशन में चल रही टीमों के क कहा कि कूड़ महत्वपूर्ण जरू सरकारें भी इ केन्द्रित कर रह लोगों को जा आर्थिक लाभ जिसके लिए जा रहा है। श्रीवास्तव व प्रवक्ता ने किय

इस अवस निदेशक, इंजीनियरिंग, श्रीराम कॉलेज मित्तल उपप्रा आसिफ, इं गौ साक्षी, आदि उपस्थित

जनवाणी

कचरा प्रबंधन पर संगोष्ठी का आयोजन

मुजफ्फरनगर | हमारे संवाददाता

श्रीराम ग्रुप आफ कॉलिजेज एवं मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) यूएसए के संयुक्त निर्देशन में चल रहे वेस्ट मैनेजमेंट प्रोग्राम के अन्तर्गत बुधवार को कचरा प्रबंधन पर एक अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी का उद्देश्य कूड़ा प्रबन्धन के क्षेत्र में चल रहे इस दो वर्षीय कार्यक्रम को विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से एक नई दिशा प्रदान करना है, जिसके द्वारा सम्पूर्ण शहर में जागरूकता की एक अलख जगाकर समाज के प्रत्येक व्यक्ति को कूड़ा प्रबन्धन विषय के सम्बन्ध में जागरूक कर इस क्षेत्र में मुजफ्फरनगर शहर को देश में एक नई पहचान दिलाना है।

गोष्ठी में इस कार्यक्रम की विभिन्न टीमों द्वारा किये गये अब तक के कार्य को प्रस्तुत किया गया व बताया गया कि शहर को 6 भागों में बांटकर कूड़ा प्रबन्धन विषय पर सर्वेक्षण किया, जिसमें हमने प्रत्येक घर से उत्सर्जित होने वाले कूड़े के विभिन्न प्रकारों का प्रतिशत अनुपात

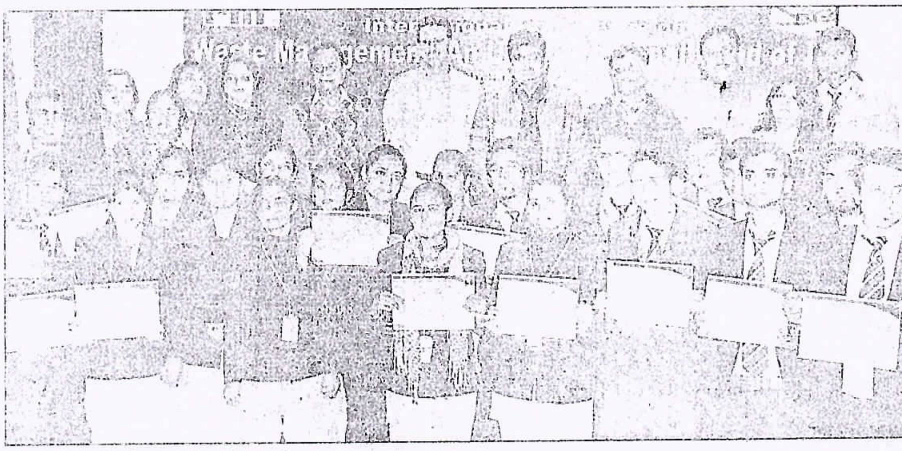

मुजफ्फरनगर के श्रीराम कालेज में सम्मानित छात्र-छात्राएं। ● हिन्दुस्तान

निकाला है, जिसके द्वारा हम यह जानकारी कर पाये हैं कि मुजफ्फरनगर शहर में प्रतिदिन लगभग कितना कूड़ा उत्सर्जित होता है। महाविद्यालय की 6 टीमों ने शहर के 6 अलग-अलग स्थानों, उत्तरी गांधी कॉलोनी, शिक्षक कॉलोनी, वकील रोड, गऊशाला रोड, किदवईनगर, कांशीराम आवासीय कॉलोनी में लगातार 6 सप्ताह तक प्रत्येक सप्ताह में एक दिन घर-घरजाकर उनके द्वारा उत्सर्जित किये गये कूड़े को एकत्रित करके उसे महाविद्यालय के पृथक्कीकरण केन्द्र में लाकर कूड़े को पृथक (अलग-अलग) करते थे, जिससे यह पता लगाया गया कि किस मौहल्ले में किस प्रकार का कूड़ा ज्यादा उत्सर्जित होता है। संगोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि एमआईटी, यूएसए के प्रधानाचार्य रिसर्च साईन्टिस्ट डॉ. जैरमी ग्रेगरी रहे व अध्यक्षता चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने की। चेयरमैन डॉ एससी कुलश्रेष्ठ, विशिष्ठ अतिथि समर्थ प्रकाश सोनिया लूथरा, बीना शर्मा, असद फ़ारूकी, होतीलाल शर्मा व शहर के अन्य समाजसेवियों ने इस गोष्ठी में प्रतिभाग किया।

हिन्दुस्तान

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL * S.R.C. MZN.

श्रीराम कॉलेज में कचरा प्रबंधन पर सेमिनार का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। श्रीराम ग्रुप ऑफ कालिजेज के सभागार में चतुर्थ एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर डा. जेरेमी ग्रेगरी तथा मैटेरियल सिस्टम लेबोरेटरी टाटा सेंटर फोर टैक्नोलॉजी एवं डिजाईन के वैज्ञानिक डा. रैन्डोल्फ किरचेन अध्यक्ष की भूमिका में रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डा. जेरेमी ग्रेगरी, मुख्य वक्ता डा. रैन्डोल्फ किरचेन एवं श्रीराम ग्रुप ऑफ कालिजेज के चेयरमैन डा. एससी कुलश्रेष्ठ, डा. प्रेरणा मित्तल, डा. पूनम शर्मा, डीन मैनेजमेंट, ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर किया।

कचरा प्रबंधन प्रणाली मेसेच्यूसेट्स इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी, यूएसए) और श्रीराम ग्रुप आफ कालिजेज एक संयुक्त अभियान है। इसे पाँच चरणों में विभाजित किया गया है, जिसका प्रथम चरण शोध प्रोजेक्ट, द्वितीय चरण डेटा कलेक्शन विश्लेषण, तृतीय चरण मॉडलिंग वेस्ट डिस्पोजल सिस्टम, चतुर्थ चरण जागरूकता जबकि पंचम चरण वेस्ट प्रोसेसिंग मार्केटिंग प्रोजेक्ट है।

कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने कहा कि समाज को कचरा मुक्त बनाने के लिये और अपने आस-पास साफ-सफाई रखने के लिये हर नागरिक को प्रयास करना चाहिये। साथ ही उन्होंने कहा कि कचरे को नालियों में न डालकर हमेशा कूडेदान में ही डालें, जिससे उसका निस्तारण हो सकें। यह कदम समाज को साफ और सुन्दर बनाये रखने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

श्रीराम कॉलेज में सेमिनार के दौरान अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट करते आयोजक।

इस अवसर पर श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलिजेज के चेयरमैन डा. एससी कुलश्रेष्ठ ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से श्रीराम ग्रुप ऑफ कालिजेज निरन्तर प्रयास करता रहता है। इसी कड़ी में श्रीराम कॉलेज और रिसर्च के क्षेत्र में अग्रणी संस्था मैसेच्युसेट्स इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी, यूएसए) ने मिलकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का बीडा उठाया है। भविष्य में हमारा प्रयास रहेगा कि पर्यावरण के हित से जुडी इस पहल को मुजफ्फरनगर से बाहर पूरे देशभर में फैलाकर लोगों में कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता फैलायें। इस मौके पर कचरा प्रबंधन प्रणाली में मैसेच्यूसेट्स इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलॉजी टीम के साथ सहभागिता निभाने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये। कार्यक्रम का संचालन रूचि श्रीवास्तव, प्रवक्ता बायोटाइस विभाग ने किया।

कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से गौरव, सत्यप्रकाश रेशु, फादर विनय कुमार, ज्ञानी गुरुवचन सिंह, सौरभ निरूला, हाजी ... शर्मा, राधेश्याम, रावेन्द्र, एहसान, अंकूर भटनागर, संजीव कटारिया सुपरवाइजर आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में डा. प्रेरणा मित्तल, डा. पूनम शर्मा, डा. आरिफ, सहायक प्रवक्ता राजकीय महाविद्यालय देवबन्द, प्राची श्रीवास्तव, कनुप्रिया, श्रुति मित्तल, रूचि राय आदि मौजूद रहे।

कूड़ेदान में ही कूड़ा डालने के लिए किया गया प्रेरित

अमर उजाला

श्रीराम कालेज में कचरा प्रबंधन प्रणाली पर सेमिनार

अमर उजाला ब्यूरो

मुजफ्फरनगर।

श्रीराम ग्रुप ऑफ कालेज में कचरा प्रबंधन प्रणाली पर इंटरनेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि कचरे के निरंतर विभाजन से सोसायटी, वातावरण में साफ-सफाई में मदद मिलेगी। साथ ही कचरे से पनपने वाली कई बीमारियों से भी बचा जा सकता है। विशेषज्ञों ने कचरा प्रबंधन की तकनीक और प्रक्रिया की छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गई।

कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ जेरेमी ग्रेगरी, मुख्य वक्ता रैंडोल्फ किरचेन, कालेज के चेयरमैन डॉ एससी कुलश्रेष्ठ, प्राचार्या डॉ प्रेरणा मित्तल, डॉ पूनम शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य वक्ता डॉ रैंडोल्फ किरचेन ने कहा कि कचरा प्रबंधन प्रणाली का उद्देश्य पर्यावरण के हित में कार्य करना है। कचरे का निस्तारण इस प्रकार से हो, जो वह देश की अर्थ व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए। प्रोफेसर डॉ जेरेमी ग्रेगरी ने कहा कि तीन चरणों के सर्वेक्षण में निष्कर्ष निकला है, शहर में 65 प्रतिशत कार्बनिक कचरा मौजूद है, जबकि यूएसए में यही कचरा 40 प्रतिशत तक है। उन्होंने कहा कि इस कचरे के सही प्रयोग से बायो गैस, कांपोस्ट खाद आदि तत्वों में परिवर्तित करके ईंधन बनाया जा सकता है। श्रीराम कालेज के तत्वावधान में हुए शोध में शहर की गांधी कालोनी, टीचर्स कालोनी में काफी अंतर सामने आया है। शोधकर्ता दिव्या रवि कुमार ने कहा कि कचरे का सही तरह से निरंतर विभाजन होता रहे तो जल्द ही शहर में एक बेहतर कचरा प्रबंधन प्रणाली विकसित की जा सकती है। नगर पालिका चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने कहा कि समाज को कचरा मुक्त बनाने के लिए जागरूकता जरूरी है। कचरे को नालियों में न डालकर कूड़ेदान में डाला जाए। कालेज के चेयरमैन एससी कुलश्रेष्ठ ने कहा कि पर्यावरण को लेकर कालेज पहल करने में सक्रिय भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम का संचालन रूचि श्रीवास्तव, गौरव, सत्यप्रकाश रेशु, फादर विनय कुमार, ज्ञानी गुरुवचन सिंह, सौरभ निरूला, असहान, अंकुर भटनागर आदि मौजूद रहे।

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL
S.R.C. MZN.

कचरा प्रबंधन प्रणाली पर सेमिनार आयोजित

● जनवाणी संवाददाता, मुजफ्फरनगर

सेमिनार के दौरान अतिथियों का सम्मान करते संस्थान के चेयरमैन। ■ छाया : जनवाणी

श्रीराम ग्रुप ऑफ कालिजेज के सभागार में मेसेच्यूसेट्स इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलोजी (एमआईटी, यूएसए) श्रीराम ग्रुप ऑफ कालिजेज के संयुक्त समन्वय से कचरा प्रबंधन प्रणाली : एक समीक्षा पर चतुर्थ एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेसेच्यूसेट्स इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी, यूएसए) के सिविल एवं पर्यावरण प्रौद्योगिकी के वैज्ञानिक प्रोफेसर डा. जेरेमी ग्रेगरी तथा मैटेरियल सिस्टम लेबोरेटरी टाटा सेंटर फोर टेक्नोलॉजी एवं डिजाईन के वैज्ञानिक डा. रैन्डोल्फ किरचेन अध्यक्ष की भुमिका में रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डा. डा. जेरेमी ग्रेगरी, मुख्य वक्ता डा. रैन्डोल्फ किरचेन एवं श्रीराम ग्रुप ऑफ कालिजेज के चेयरमैन डा. एससीकुलश्रेष्ठ, डा. प्रेरणा मित्तल, प्राचार्या श्रीराम कॉलेज ऑफ एजूकेशन, डा. पूनम शर्मा, डीन मैनेजमेंट, ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर किया।

कचरा प्रबंधन प्रणाली मेसेच्यूसेट्स इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी, यूएसए) और श्रीराम ग्रुप आफ कालिजेज एक संयुक्त अभियान है। इसे पॉच चरणों में विभाजित किया गया है, जिसका प्रथम चरण शोध प्रोजेक्ट, द्वितीय चरण डेटा कलेक्शन विश्लेषण, तृतीय चरण मॉडलिंग वेस्ट डिस्पोजल सिस्टम, चतुर्थ चरण जागरूकता जबकि पंचम चरण वेस्ट प्रोसेसिंग मार्केटिंग प्रोजेक्ट है। इस अवसर पर मेसेच्यूसेट्स इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी, यूएसए) की शोधकर्ता दिव्या रवि कुमार ने तीनों चरणों के परिणामों के संबंध में जानकारी देते हुये बताया कि शुरूआती चरण में कचरा विभाजन का जो परिणाम आया उनकों क्षेत्रवार अगर देखा जायें तो गांधी कॉलोनी और टीचर्स कॉलोनी में काफी अंतर सामने आया।

कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से गौरव, सत्यप्रकाश रेशु, फादर विनय कुमार, ज्ञानी गुरूवचन सिंह, सौरभ निरूला, होती लाल शर्मा, राधेश्याम, रावेन्द्र, एहसान, अंकूर भटनागर, संजीव कटारिया (सुपरवाइजर) आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में डा. प्रेरणा मित्तल, डा. पूनम शर्मा, डा. आरिफ, सहायक प्रवक्ता राजकीय महाविद्यालय देवबन्द, प्राची श्रीवास्तव, कनुप्रिया, श्रुति मित्तल, रूचि राय, आदि मोजूद रहे।

जनवाणी

शिक्षकों ने कचरा प्रबंधन पर दिए टिप्स

नसीहत

- नगर की गांधी कालोनी व टीचर्स कालोनी में लोगों को किया जागरूक
- अमेरिका से आए शिक्षकों ने सेमिनार में व्यक्त किए विचार

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरनगर : श्रीराम कालेजेज में आयोजित सेमिनार में अमेरिकी शिक्षकों ने कचरा प्रबंधन पर टिप्स दिए।

श्रीराम ग्रुप ऑफ कालेजेज के सभागार में 'कचरा प्रबंधन प्रणाली : एक समीक्षा' विषय पर सेमिनार का आयोजन बुधवार को किया गया। यूएसए के मेसाच्यूसेट्स इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सिविल व पर्यावरण प्रौद्योगिकी के वैज्ञानिक प्रोफेसर डा. जेरेमी ग्रेगरी व मैटेरियल सिस्टम लेबोरेटरी टाटा सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी व डिजाइन के वैज्ञानिक डा. रैंडोल्फ किरचेन ने कचरा प्रबंधन के विषय के बारे में जानकारी दी। चेयरमैन डा. एससी कुलश्रेष्ठ ने बताया कि एमआइटी, यूएसए व श्रीराम ग्रुप कालेजेज कचरा प्रबंधन पर पांच चरणों में संयुक्त अभियान चला रहे हैं। इसमें प्रथम चरण शोध प्रोजेक्ट, द्वितीय चरण डेटा कलेक्शन-विश्लेषण, तृतीय चरण मॉडलिंग वेस्ट डिस्पोजल सिस्टम, चतुर्थ चरण जागरूकता व पंचम चरण वेस्ट प्रोसेसिंग मार्केटिंग प्रोजेक्ट है। वर्तमान में चतुर्थ चरण चल रहा है। इसमें मध्यम वर्ग को केंद्र में रखकर नगर की गांधी कालोनी व टीचर्स कालोनी में लोगों को कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। एमआइटी व यूएसए की शोधकर्ता दिव्या रवि कुमार ने तीनों चरणों के परिणामों के संबंध में जानकारी दी। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने कहा कि समाज को कचरा मुक्त बनाने के लिए जागरूकता अभियान कारगर साबित होगा। संचालन प्रवक्ता रुचि श्रीवास्तव ने किया।

दैनिक जागरण

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL
S.R.C.
MZN.

Seminar on Municipal Waste Management

IT (USA) - SRGC Joint Research Project on
ste Man ment in Muza agar
4th ational nar
men em in M arn ty: A Revi
Gregory
Environmental
Design, MIT, USA
arnaga

roject on
farnagar
agar
Re

h Kirchain
al System Laboratory
Design, MIT, USA
Chief Guest
Prof Dr Jeremy G
Principal Research Scientist, Civil & En
TATA Centre for Tecyhnology & Des
Organ d by:
Group of C lleges. M zaf
Dr. JEREMY GREGORY
Prof. Dr. RANDOLPH KIRCHAIN

Waste Managem
4th International
Waste Management System in M
President
Prof Dr Randolph Kirchain
Principal Research Scientist, Material System Laboratory
TATA Centre for Tecyhnology & Design, MIT, USA
Organised
Group of Co
MOHD. ARIF